ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः

चमकप्रश्नः Camakapraśnaḥ

ॐ अग्नाविष्णू सजोषसेमावर्धन्तु वां गिरः। द्युम्नैर्वाजेभिरागतम् ।

oṃ agnāviṣṇū sajoṣasemāvardhantu vāṃ giraḥ।

dyumnairvājebhirāgatam ।

वाजश्च मे प्रसवश्च मे प्रयतिश्च मे प्रसितिश्च मे धीतिश्च मे क्रतुश्च मे स्वरश्च मे श्लोकश्च मे श्रावश्च मे श्रुतिश्च मे ज्योतिश्च मे सुवश्च मे प्राणश्च मेऽपानश्च मे व्यानश्च मेऽसुश्च मे

vājaśca me prasavaśca me prayatiśca me prasitiśca me dhītiśca me kratuśca me svaraśca me ślokaśca me śrāvaśca me śrutiśca me jyotiśca me suvaśca me prāṇaśca me'pānaśca me vyānaśca me'suśca me

चित्तं च म आधीतं च मे वाक्च मे मनश्च मे चक्षुश्च मे श्रोत्रं च मे दक्षश्च मे बलं च म ओजश्च मे सहश्च म आयुश्च मे जरा च म आत्मा च मे तनूश्च मे शर्म च मे वर्म च मेऽङ्गानि च मेऽस्थानि च मे परूगंषि च मे शरीराणि च मे ॥१॥

cittaṃ ca ma ādhītaṃ ca me vāk ca me manaśca me cakṣuśca me śrotraṃ ca me dakṣaśca me balaṃ ca ma ojaśca me sahaśca ma āyuśca me jarā ca ma ātmā ca me tanūśca me śarma ca me varma ca me'ṅgāni ca me'sthāni ca me parūgṃ ṣi ca me śarīrāṇi ca me

॥1॥

ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः

ज्यैष्ठ्यं च म आधिपत्यं च मे मन्युश्च मे भामश्च मेऽमश्च मेऽम्भश्च मे जेमा च मे महिमा च मे वरिमा च मे प्रथिमा च मे वर्ष्मा च मे द्राघुया च मे वृद्धं च मे वृद्धिश्च मे

jyaiṣṭhyaṃ ca ma ādhipatyaṃ ca me manyuśca me bhāmaśca me'maśca me'mbhaśca me jemā ca me mahimā ca me varimā ca me prathimā ca me varṣmā ca me drāghuyā ca me vṛddhaṃ ca me vṛddhiśca me

सत्यं च मे श्रद्धा च मे जगच्च मे धनं च मे वशश्च मे त्विषिश्च मे क्रीडा च मे मोदश्च मे जातं च मे जनिष्यमाणं च मे सूक्तं च मे सुकृतं च मे वित्तं च मे वेद्यं च मे

satyaṃ ca me śraddhā ca me jagacca me dhanaṃ ca me vaśaśca me tviṣiśca me krīḍā ca me modaśca me jātaṃ ca me janiṣyamāṇaṃ ca me sūktaṃ ca me sukṛtaṃ ca me vittaṃ ca me vedyaṃ ca me

भूतं च मे भविष्यच्च मे सुगं च मे सुपथं च म ऋद्धं च म ऋद्धिश्च मे क्लृप्तं च मे क्लृप्तिश्च मे मतिश्च मे सुमतिश्च मे ॥२॥

bhūtaṃ ca me bhaviṣyacca me sugaṃ ca me supathaṃ ca ma ṛddhaṃ ca ma ṛddhiśca me kḷptaṃ ca me kḷptiśca me matiśca me sumatiśca me ॥2॥

ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः

शं च मे मयश्च मे प्रियं च मेऽनुकामश्च मे कामश्च मे सौमनसश्च मे भद्रं च मे श्रेयश्च मे वस्यश्च मे यशश्च मे भगश्च मे द्रविणं च मे यन्ता च मे धर्ता च मे क्षेमश्च मे

śaṃ ca me mayaśca me priyaṃ ca me'nukāmaśca me kāmaśca me saumanasaśca me bhadraṃ ca me śreyaśca me vasyaśca me yaśaśca me bhagaśca me draviṇaṃ ca me yantā ca me dhartā ca me kṣemaśca me

धृतिश्च मे विश्वं च मे महश्च मे संविच्च मे ज्ञात्रं च मे सूश्च मे प्रसूश्च मे सीरं च मे लयश्च म ऋतं च मेऽमृतं च मेऽयक्ष्मं च मेऽनामयच्च मे जीवातुश्च मे दीर्घायुत्वं च मेऽनमित्रं च मेऽभयं च मे सुगं च मे शयनं च मे सूषा च मे सुदिनं च मे ॥३॥

dhṛtiśca me viśvaṃ ca me mahaśca me saṃvicca me jñātraṃ ca me sūśca me prasūśca me sīraṃ ca me layaśca ma ṛtaṃ ca me'mṛtaṃ ca me'yakṣmaṃ ca me'nāmayacca me jīvātuśca me dīrghāyutvaṃ ca me'namitraṃ ca me'bhayaṃ ca me sugaṃ ca me śayanaṃ ca me sūṣā ca me sudinaṃ ca me ॥3॥

ऊर्क च मे सूनृता च मे पयश्च मे रसश्च मे घृतं च मे मधु च मे सग्धिश्च मे सपीतिश्च मे कृषिश्च मे वृष्टिश्च मे जैत्रं च म औद्भिद्यं च मे रयिश्च मे रायश्च मे पुष्टं च मे पुष्टिश्च मे

ūrkca me sūnṛtā ca me payaśca me rasaśca me ghṛtaṃ ca me madhu ca me sagdhiśca me sapītiśca me kṛṣiśca me vṛṣṭiśca me jaitraṃ ca ma audbhidyaṃ ca me rayiśca me rāyaśca me puṣṭaṃ

ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः

ca me puṣṭiśca me

विभु च मे प्रभु च मे बहु च मे भूयश्च मे पूर्णं च मे पूर्णतरं च मेऽक्षितिश्च मे कूयवाश्च मेऽन्नं च मेऽक्षुच्च मे व्रीहयश्च मे यवाश्च मे माषाश्च मे तिलाश्च मे मुद्गाश्च मे खल्वाश्च मे गोधूमाश्च मे मसुराश्च मे प्रियंगवश्च मेऽणवश्च मे श्यामाकाश्च मे नीवाराश्च मे ॥४॥

vibhu ca me prabhu ca me bahu ca me bhūyaśca me pūrṇaṃ ca me pūrṇataraṃ ca me'kṣitiśca me kūyavāśca me'nnaṃ ca me'kṣucca me vrīhayaśca me yavāśca me māṣāśca me tilāśca me mudgāśca me khalvāśca me godhūmāśca me masurāśca me priyaṃgavaśca me'ṇavaśca me śyāmākāśca me nīvārāśca me ॥4॥

अश्मा च मे मृत्तिका च मे गिरयश्च मे पर्वताश्च मे सिकताश्च मे वनस्पतयश्च मे हिरण्यं च मेऽयश्च मे सीसं च मे त्रपुश्च मे श्यामं च मे लोहं च मेऽग्निश्च म आपश्च मे

aśmā ca me mṛttikā ca me girayaśca me parvatāśca me sikatāśca me vanaspatayaśca me hiraṇyaṃ ca me'yaśca me sīsaṃ ca me trapuśca me śyāmaṃ ca me lohaṃ ca me'gniśca ma āpaśca me

वीरुधश्च म ओषधयश्च मे कृष्टपच्यं च मेऽकृष्टपच्यं च मे ग्राम्याश्च मे पशव आरण्याश्च यज्ञेन कल्पन्तां वित्तं च मे वित्तिश्च मे भूतं च मे भूतिश्च मे वसु च मे वसतिश्च मे कर्म च मे शक्तिश्च मेऽर्थश्च म एमश्च म इतिश्च मे गतिश्च मे ॥५॥

vīrudhaśca ma oṣadhayaśca me kṛṣṭapacyaṃ ca me'kṛṣṭapacyaṃ ca me grāmyāśca me paśava āraṇyāśca yajñena kalpantāṃ vittaṃ

ca me vittiśca me bhūtaṃ ca me bhūtiśca me vasu ca me vasatiśca me karma ca me śaktiśca me'rthaśca ma emaśca ma itiśca me gatiśca me ॥5॥

अग्निश्च म इन्द्रश्च मे सोमश्च म इन्द्रश्च मे सविता च म इन्द्रश्च मे सरस्वती च म इन्द्रश्च मे पूषा च म इन्द्रश्च मे बृहस्पतिश्च म इन्द्रश्च मे मित्रश्च म इन्द्रश्च मे

agniśca ma indraśca me somaśca ma indraśca me savitā ca ma indraśca me sarasvatī ca ma indraśca me pūṣā ca ma indraśca me bṛhaspatiśca ma indraśca me mitraśca ma indraśca me

वरुणश्च म इन्द्रश्च मे त्वष्टा च म इन्द्रश्च मे धाता च म इन्द्रश्च मे विष्णुश्च म इन्द्रश्च मेऽश्विनौ च म इन्द्रश्च मे मरुतश्च म इन्द्रश्च मे विश्वे च मे देवा इन्द्रश्च मे

varuṇaśca ma indraśca me tvaṣṭā ca ma indraśca me dhātā ca ma indraśca me viṣṇuśca ma indraśca me'śvinau ca ma indraśca me marutaśca ma indraśca me viśve ca me devā indraśca me

पृथिवी च म इन्द्रश्च मेऽन्तरिक्षं च म इन्द्रश्च मे द्यौश्च म इन्द्रश्च मे दिशश्च म इन्द्रश्च मे मूर्धा च म इन्द्रश्च मे प्रजापतिश्च म इन्द्रश्च मे ॥६॥

pṛthivī ca ma indraśca me'ntarikṣaṃ ca ma indraśca me dyauśca ma indraśca me diśaśca ma indraśca me mūrdhā ca ma indraśca me prajāpatiśca ma indraśca me ॥6॥

ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः

अग्ंशुश्च मे रश्मिश्च मेऽदाभ्यश्च मेऽधिपतिश्च म उपाग्ंशुश्च मेऽन्तर्यामश्च म ऐन्द्रवायवश्च मे मैत्रावरुणश्च म आश्विनश्च मे प्रतिप्रस्थानश्च मे शुक्रश्च मे

agṃśuśca me raśmiśca me'dābhyaśca me'dhipatiśca ma upāgṃśuśca me'ntaryāmaśca ma aindravāyavaśca me maitrāvaruṇaśca ma āśvinaśca me pratiprasthānaśca me śukraśca me

मन्थी च म आग्रयणश्च मे वैश्वदेवश्च मे ध्रुवश्च मे वैश्वानरश्च म ऋतुग्रहाश्च मेऽतिग्राह्याश्च म ऐन्द्राग्नश्च मे वैश्वदेवश्च मे मरुत्वतीयाश्च मे माहेन्द्रश्च म आदित्यश्च मे सावित्रश्च मे सारस्वतश्च मे पौष्णश्च मे पात्नीवतश्च मे हारियोजनश्च मे ॥७॥

manthī ca ma āgrayaṇaśca me vaiśvadevaśca me dhruvaśca me vaiśvānaraśca ma ṛtugrahāśca me'tigrāhyāśca ma aindrāgnaśca me vaiśvadevaśca me marutvatīyāśca me māhendraśca ma ādityaśca me sāvitraśca me sārasvataśca me pauṣṇaśca me pātnīvataśca me hāriyojanaśca me ॥7॥

इध्मश्च मे बर्हिश्च मे वेदिश्च मे धिष्णियाश्च मे स्रुचश्च मे चमसाश्च मे ग्रावाणश्च मे स्वरवश्च म उपरवाश्च मेऽधिषवणे च मे द्रोणकलशश्च मे वायव्यानि च मे

idhmaśca me barhiśca me vediśca me dhiṣṇiyāśca me srucaśca me camasāśca me grāvāṇaśca me svaravaśca ma uparavāśca me'dhiṣavaṇe ca me droṇakalaśaśca me vāyavyāni ca me

ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः

पूतभृच्च म आधवनीयश्च म आग्नीध्रं च मे हविर्धानं च मे गृहाश्च मे सदश्च मे पुरोडाशाश्च मे पचताश्च मेऽवभृथश्च मे स्वगाकारश्च मे ॥८॥

pūtabhṛcca ma ādhavanīyaśca ma āgnīdhraṃ ca me havirdhānaṃ ca me gṛhāśca me sadaśca me puroḍāśāśca me pacatāśca me'vabhṛthaśca me svagākāraśca me ॥8॥

अग्निश्च मे घर्मश्च मेऽर्कश्च मे सूर्यश्च मे प्राणश्च मेऽश्वमेधश्च मे पृथिवी च मेऽदितिश्च मे दितिश्च मे द्यौश्च मे शक्वरीरङ्गुलयो दिशश्च मे यज्ञेन कल्पन्तामृक्च मे

agniśca me gharmaśca me'rkaśca me sūryaśca me prāṇaśca me'śvamedhaśca me pṛthivī ca me'ditiśca me ditiśca me dyauśca me śak varīraṅgulayo diśaśca me yajñena kalpantāmṛkca me

साम च मे स्तोमश्च मे यजुश्च मे दीक्षा च मे तपश्च म ऋतुश्च मे व्रतं च मेऽहोरात्रयोर्वृष्ट्या बृहद्रथन्तरे च मे यज्ञेन कल्पेताम् ॥९॥

sāma ca me stomaśca me yajuśca me dīkṣā ca me tapaśca ma ṛtuśca me vrataṃ ca me'horātrayorvṛṣṭyā bṛhadrathantare ca me yajñena kalpetām ॥9॥

ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः

गर्भाँश्च मे वत्साश्च मे त्र्यविँश्च मे त्र्यवीच मे दित्यवाट् च मे दित्यौही च मे पञ्चाविश्च मे पञ्चावी च मे त्रिवत्सश्च मे त्रिवत्सा च मे तुर्यवाट् च मे तुर्यौही च मे पष्ठवाट् च मे

garbhāśca me vatsāśca me tryaviśca me tryavīca me dityavāṭ ca me dityauhī ca me pañcāviśca me pañcāvī ca me trivatsaśca me trivatsā ca me turyavāṭ ca me turyauhī ca me paṣṭhavāṭ ca me

पष्ठौही च म उक्षा च मे वशा च म ऋषभश्च मे वेहच्च मेऽनड्वाञ्च मे धेनुश्च म आयुर्यज्ञेन कल्पतां प्राणो यज्ञेन कल्पतामपानो यज्ञेन कल्पतां व्यानो यज्ञेन कल्पतां

paṣṭhauhī ca ma ukṣā ca me vaśā ca ma ṛṣabhaśca me vehacca me'naḍvāñca me dhenuśca ma āyuryajñena kalpatāṃ prāṇo yajñena kalpatāmapāno yajñena kalpatāṃ vyāno yajñena kalpatāṃ

चक्षुर्यज्ञेन कल्पताग् श्रोत्रं यज्ञेन कल्पतां मनो यज्ञेन कल्पतां वाग्यज्ञेन कल्पतामात्मा यज्ञेन कल्पतां यज्ञो यज्ञेन कल्पताम् ॥१०॥

cakṣuryajñena kalpatāg śrotraṃ yajñena kalpatāṃ mano yajñena kalpatāṃ vāgyajñena kalpatāmātmā yajñena kalpatāṃ yajño yajñena kalpatām ॥10॥

ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः

एका॑ च मे ति॒स्रश्च॑ मे॒ पञ्च॑ च मे स॒प्त च॑ मे॒ नव॑ च म॒ एका॑दश च मे॒ त्रयो॑दश च मे॒ पञ्च॑दश च मे स॒प्तद॑श च मे॒ नव॑दश च म॒ एक॑विगं॒शतिश्च मे॒ त्रयो॑विगं॒शतिश्च मे॒

ekā॑ ca me ti॒sraśca॑ me॒ pañca॑ ca me sa॒pta ca॑ me॒ nava॑ ca ma॒ ekā॑daśa ca me॒ trayo॑daśa ca me॒ pañca॑daśa ca me sa॒ptada॑śa ca me॒ nava॑daśa ca ma॒ eka॑vigṃśatiśca me॒ trayo॑vigṃśatiśca me॒

पञ्च॑विगं॒शतिश्च मे स॒प्तविगं॒॑शतिश्च मे॒ नव॑विगं॒शतिश्च म॒ एक॑त्रिगं॒शच्च मे॒ त्रय॑स्त्रिगं॒शच्च मे॒ चत॑स्रश्च मे॒ऽष्टौ च॑ मे॒ द्वाद॑श च मे॒ षोड॑श च मे विगं॒शति॑श्च मे॒

pañca॑vigṃśatiśca me sa॒ptavigṃ॑śatiśca me॒ nava॑vigṃśatiśca ma॒ eka॑trigṃśacca me॒ traya॑strigṃśacca me॒ cata॑sraśca me॒'ṣṭau ca॑ me॒ dvāda॑śa ca me॒ ṣoḍa॑śa ca me vigṃśa॒tiśca॑ me॒

चतु॑र्विगं॒शतिश्च मे॒ऽष्टाविगं॒॑शतिश्च मे॒ द्वात्रिगं॒॑शच्च मे॒ षट्त्रिगं॒॑शच्च मे चत्वारि॒गं॒शच्च॑ मे॒ चतु॑श्चत्वारिगं॒शच्च मे॒ऽष्टाच॑त्वारिगं॒शच्च मे॒ वाज॑श्च प्रस॒वश्चा॑पि॒जश्च॒ क्रतु॑श्च॒ सुव॑श्च मू॒र्धा च॒ व्यश्नि॑यश्चान्त्याय॒नश्चान्त्य॑श्च भौव॒नश्च॒ भुव॑न॒श्चाधि॑पतिश्च ॥ ११ ॥

catu॑rvigṃśatiśca me॒'ṣṭāvigṃ॑śatiśca me॒ dvātrigṃ॑śacca me॒ ṣaṭ trigṃ॑śacca me catvāri॒gṃ॒śacca॑ me॒ catu॑ścatvārigṃśacca me॒'ṣṭāca॑tvārigṃśacca me॒ vāja॑śca prasa॒vaścā॑pi॒jaśca॒ kratu॑śca॒ suva॑śca mū॒rdhā ca॒ vyaśni॑yaścāntyāya॒naścāntya॑śca bhauva॒naśca॒ bhuva॑na॒ścādhi॑patiśca ॥11॥

ॐ इडा देवहूर्मनुर्यज्ञनीर्बृहस्पतिरुक्थामदानि शग्ंसिषद्विश्वे देवाः सूक्तवाचः पृथिवीमातर्मा मा हिग्ंसीर्मधु मनिष्ये मधु जनिष्ये मधु वक्ष्यामि मधु वदिष्यामि मधुमतीं देवेभ्यो वाचमुद्यासग्ं शुश्रूषेण्यां मनुष्येभ्यस्तं मा देवा अवन्तु शोभायै पितरोऽनुमदन्तु॥

oṃ iḍā devahūrmanuryajñanīrbṛhaspatirukthāmadāni śagṃsiṣadviśve devāḥ sūktavācaḥ pṛthivīmātarmā mā higṃsīrmadhu maniṣye madhu janiṣye madhu vakṣyāmi madhu vadiṣyāmi madhumatīṃ devebhyo vācamudyāsagṃ śuśrūṣeṇyāṃ manuṣyebhyastaṃ mā devā avantu śobhāyai pitaro'numadantu॥

ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः ॥ oṃ śāntiḥ śāntiḥ śāntiḥ ॥